

अनमोल दावा

जो होने वाला है वह होकर ही रहता है, और जो नहीं होने वाला, वह कभी नहीं होगा, ऐसा निश्चय जिनकी बुद्धि में होता है, उन्हें विंता कभी नहीं सताती है।

रेपड़ी संस्कृति पर चिंतन का समय विकास कार्यों पर लग रहा ब्रेक

इस प्रकार से राजनीकी दल सरकार के खर्चों पर मतदाताओं को मुफ्त उपहार दे रहे हैं। यानी लोगों को अपने पक्ष में मतदान करने के लिए एक प्रकार से रिश्त दे रहे हैं। ऐसा करना राज्यों की आर्थिक स्थिति के लिहाज से भी उचित नहीं है। मतदाताओं को मुफ्त में सुविधाएं या उपहार देने से अंततः सकारी खजाना पर असर पड़ता है।

महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले महाराष्ट्रीय और झारखंड में जेएमएम के नेतृत्व वाले गठबंधन की कार्यों अस्तित्व में आ गई हैं। अब बारी विधानसभा चुनाव के दौरान अपने अपने राज्यों के मतदाताओं से किए गए मुफ्त के बादों को लागू करने की है। लाडकी बहिन योजना, मंड़यां समान योजना, किसानों की कर्ज माफी, मुफ्त बिजली, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और मुफ्त गैस सिलेंडर जैसे चुनावी वादे महाराष्ट्र और झारखंड में इन दिनों गंज रहे हैं। विधेयों का कहना है कि इनके लागू होने से दोनों राज्यों की बिगड़ते हुए, इट का जवाब पत्तर से देने में कामयाब हुआ है। इतिहास सदैव वर्तमान का बाप होता है जब अपना खुद का पता ना हो तो बाप की ओर जाना पड़ता है। 36° गढ़ किलों से बना उत्तीसगढ़ भी स्वतंत्रता संग्राम में अपनी अहम भूमिका रखता है। इस “धान के कटोरा” कहे जाने वाले भू-भाग पर उत्तीसगढ़ के पहले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद वीर नारायण सिंह बिजावर गोंड का

जन्म 1795 में सोनारवान (बलौदाबाजार) के एक जमीदार परिवार में हुआ था। पिता का नाम रामराय और माता सिंगारानी थी।



मदन मंडवी

उत्तीसगढ़ में जो आज छोटासगढ़ में स्थित है जो गोडवाना के 52 गढ़ों में एक लाफागढ़ के अंतर्गत आती थी।

रत्नपुर और सोनाखान मंडल गोंड राजाओं के महवृपूण गढ़ थे।

सोनाखान का प्राचीन नाम

सिंहगढ़ जो अपनी

समृद्धि और वैभव

संपदा के लिए

कामों महारूप था।

महाराज संसार शाह के ही संबंधी

विरसैया ठाकुर

वहाँ के राजा थे

जो कल्याणीयों को

होड़वाना

की सत्ता स्थापित

किया था। विरसैया

के बेटे वीर नारायण

सिंह थे।

सोनाखान रियासत जो आज छोटासगढ़ में स्थित है जो गोडवाना के 52 गढ़ों में एक लाफागढ़ के अंतर्गत आती थी।

रत्नपुर और

सोनाखान मंडल

गोंड राजाओं के

महवृपूण गढ़ थे।

सोनाखान का

प्राचीन नाम

सिंहगढ़ जो अपनी

समृद्धि और वैभव

संपदा के लिए

कामों महारूप था।

महाराज संसार शाह के ही संबंधी

विरसैया ठाकुर

वहाँ के राजा थे

जो कल्याणीयों को

होड़वाना

की सत्ता स्थापित

किया था। विरसैया

के बेटे वीर नारायण

सिंह थे।

सोनाखान रियासत जो आज छोटासगढ़ में स्थित है जो गोडवाना के 52 गढ़ों में एक लाफागढ़ के अंतर्गत आती थी।

रत्नपुर और

सोनाखान मंडल

गोंड राजाओं के

महवृपूण गढ़ थे।

सोनाखान का

प्राचीन नाम

सिंहगढ़ जो अपनी

समृद्धि और वैभव

संपदा के लिए

कामों महारूप था।

महाराज संसार शाह के ही संबंधी

विरसैया ठाकुर

वहाँ के राजा थे

जो कल्याणीयों को

होड़वाना

की सत्ता स्थापित

किया था। विरसैया

के बेटे वीर नारायण

सिंह थे।

सोनाखान रियासत जो आज छोटासगढ़ में स्थित है जो गोडवाना के 52 गढ़ों में एक लाफागढ़ के अंतर्गत आती थी।

रत्नपुर और

सोनाखान मंडल

गोंड राजाओं के

महवृपूण गढ़ थे।

सोनाखान का

प्राचीन नाम

सिंहगढ़ जो अपनी

समृद्धि और वैभव

संपदा के लिए

कामों महारूप था।

महाराज संसार शाह के ही संबंधी

विरसैया ठाकुर

वहाँ के राजा थे

जो कल्याणीयों को

होड़वाना

की सत्ता स्थापित

किया था। विरसैया

के बेटे वीर नारायण

सिंह थे।

सोनाखान रियासत जो आज छोटासगढ़ में स्थित है जो गोडवाना के 52 गढ़ों में एक लाफागढ़ के अंतर्गत आती थी।

रत्नपुर और

सोनाखान मंडल

गोंड राजाओं के

महवृपूण गढ़ थे।

सोनाखान का

प्राचीन नाम

सिंहगढ़ जो अपनी

समृद्धि और वैभव

संपदा के लिए

कामों महारूप था।

महाराज संसार शाह के ही संबंधी

विरसैया ठाकुर

वहाँ के राजा थे

जो कल्याणीयों को

होड़वाना

की सत्ता स्थापित

किया था। विरसैया

के बेटे वीर नारायण

सिंह थे।

सोनाखान रियासत जो आज छोटासगढ़ में स्थित है जो गोडवाना के 52 गढ़ों में एक लाफागढ़ के अंतर्गत आती थी।

रत्नपुर और

सोनाखान मंडल

गोंड राजाओं के

महवृपूण गढ़ थे।

सोनाखान का

प्राचीन नाम

सिंहगढ़ जो अपनी

समृद्धि और वैभव

संपदा के लिए

कामों महारूप था।

महाराज संसार शाह के ही संबंधी

विरसैया ठाकुर

